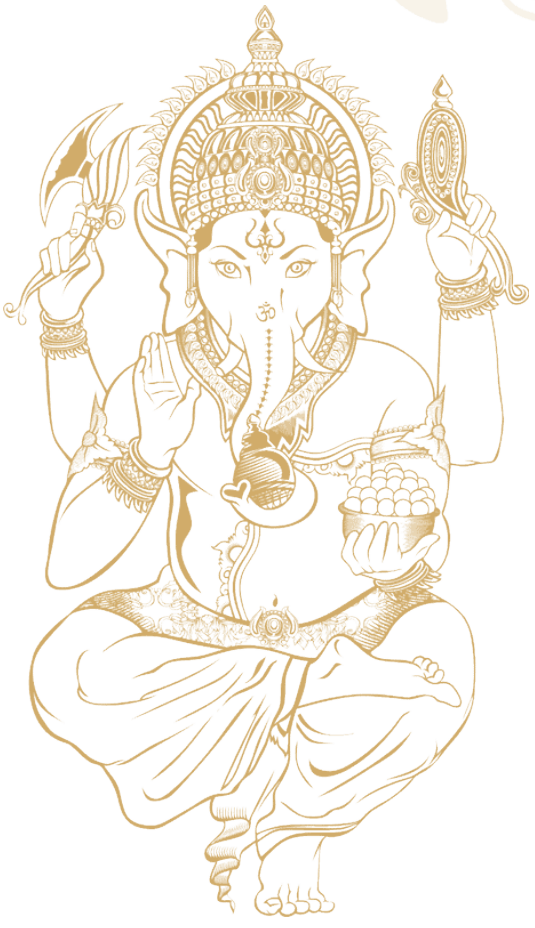

Mr. ?????? ???? ????

01 Apr 1986

01:45 AM

Sanvordem

Model: web-freekundliweb

Order No: 120904407

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31-01/04/1986**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**01:45:00 घंटे**
इष्ट	48:06:39 घटी
स्थान	**Sanvordem**
राज्य	Goa
देश	India

अक्षांश	15:16:00 उत्तर
रेखांश	74:07:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:33:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:11:28 घंटे
वेलान्तर	-00:04:18 घंटे
साम्पातिक काल	13:47:06 घंटे
सूर्योदय	06:30:20 घंटे
सूर्यास्त	18:45:36 घंटे
दिनमान	12:15:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	17:09:11 मीन
लग्न के अंश	25:10:45 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वरियान
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	25:10:45	352:34:03	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
सूर्य			मीन	17:09:11	00:59:13	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			धनु	04:27:53	14:11:49	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	सम राशि
मंगल			धनु	08:11:12	00:29:47	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	मित्र राशि
बुध			कुंभ	24:22:04	00:08:11	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
गुरु			कुंभ	15:30:06	00:13:20	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
शुक्र			मेष	04:28:59	01:14:04	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	सम राशि
शनि	व		वृश्चि	15:54:46	00:01:14	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	शत्रु राशि
राहु			मेष	06:26:35	00:00:50	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	शत्रु राशि
केतु			तुला	06:26:35	00:00:50	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	सम राशि
हर्ष	व		वृश्चि	28:42:14	00:00:13	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
नेप			धनु	12:08:07	00:00:14	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
प्लूटो	व		तुला	13:00:15	00:01:28	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			तुला	05:08:40	--	चित्रा	--	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:39:45

लग्न-चलित

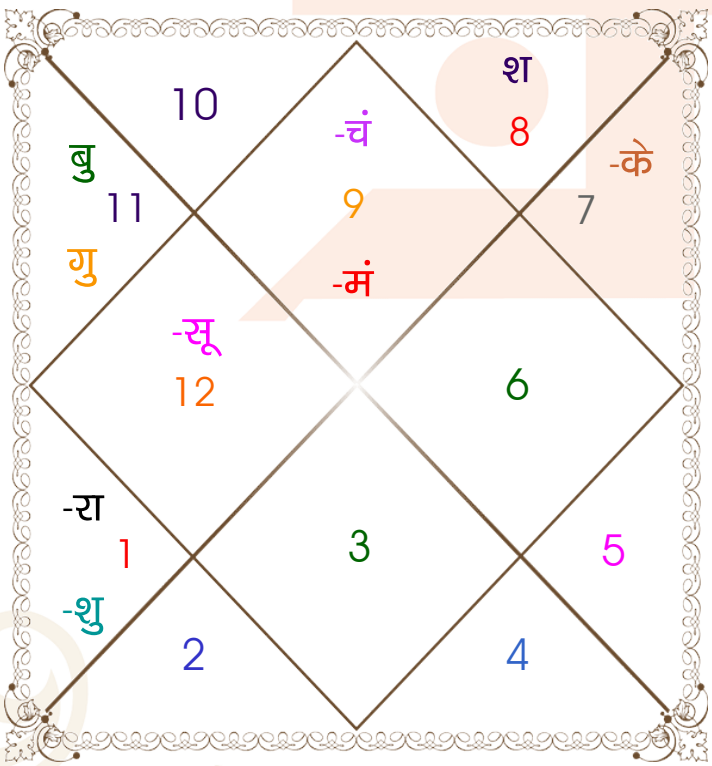

चन्द्र कुंडली

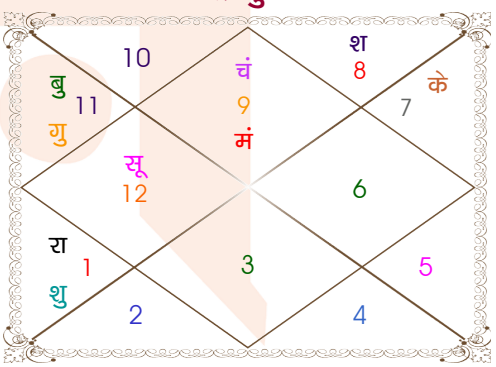

नवमांश कुंडली

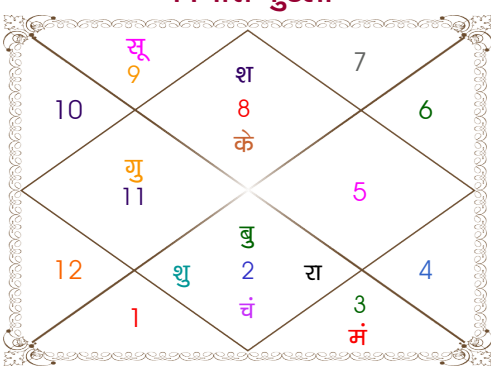

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 7 मास 26 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
01/04/1986		26/11/1990		26/11/2010		26/11/2016		26/11/2026	
26/11/1990		26/11/2010		26/11/2016		26/11/2026		26/11/2033	
	00/00/0000	शुक्र	28/03/1994	सूर्य	16/03/2011	चंद्र	26/09/2017	मंगल	24/04/2027
	00/00/0000	सूर्य	28/03/1995	चंद्र	14/09/2011	मंगल	27/04/2018	राहु	12/05/2028
	01/04/1986	चंद्र	26/11/1996	मंगल	20/01/2012	राहु	27/10/2019	गुरु	18/04/2029
चंद्र	31/05/1986	मंगल	26/01/1998	राहु	14/12/2012	गुरु	25/02/2021	शनि	28/05/2030
मंगल	27/10/1986	राहु	26/01/2001	गुरु	02/10/2013	शनि	26/09/2022	बुध	25/05/2031
राहु	14/11/1987	गुरु	27/09/2003	शनि	14/09/2014	बुध	26/02/2024	केतु	21/10/2031
गुरु	20/10/1988	शनि	26/11/2006	बुध	22/07/2015	केतु	26/09/2024	शुक्र	20/12/2032
शनि	29/11/1989	बुध	26/09/2009	केतु	26/11/2015	शुक्र	28/05/2026	सूर्य	27/04/2033
बुध	26/11/1990	केतु	26/11/2010	शुक्र	26/11/2016	सूर्य	26/11/2026	चंद्र	26/11/2033

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
26/11/2033		26/11/2051		26/11/2067		26/11/2086		27/11/2103	
26/11/2051		26/11/2067		26/11/2086		27/11/2103		00/00/0000	
राहु	08/08/2036	गुरु	14/01/2054	शनि	29/11/2070	बुध	24/04/2089	केतु	25/04/2104
गुरु	02/01/2039	शनि	27/07/2056	बुध	08/08/2073	केतु	21/04/2090	शुक्र	25/06/2105
शनि	08/11/2041	बुध	02/11/2058	केतु	17/09/2074	शुक्र	19/02/2093	सूर्य	31/10/2105
बुध	27/05/2044	केतु	09/10/2059	शुक्र	17/11/2077	सूर्य	26/12/2093	चंद्र	02/04/2106
केतु	15/06/2045	शुक्र	09/06/2062	सूर्य	30/10/2078	चंद्र	28/05/2095		00/00/0000
शुक्र	14/06/2048	सूर्य	28/03/2063	चंद्र	30/05/2080	मंगल	24/05/2096		00/00/0000
सूर्य	09/05/2049	चंद्र	27/07/2064	मंगल	09/07/2081	राहु	11/12/2098		00/00/0000
चंद्र	08/11/2050	मंगल	03/07/2065	राहु	15/05/2084	गुरु	19/03/2101		00/00/0000
मंगल	26/11/2051	राहु	26/11/2067	गुरु	26/11/2086	शनि	27/11/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 8 मा 0 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म पूर्वाभाद्र पद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में धनु लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर धनु लग्न के साथ-साथ वृश्चिक राशि का नवमांश एवं सिंह राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इसके प्रभाव से यह स्पष्ट सूचित हो रहा है कि आपका जीवन आरामदेह एवं प्रसन्नता प्रदायक होगा। प्रकृति ने आपको दृढ़ निश्चयी बना कर अपने जीवन हेतु प्रयत्नशील रहकर अपने स्वयं के लिए सहायक बनाया है।

धनु जन्म लग्न एवं सिंह द्रेष्काणा का प्रभाव विभिन्न प्रकार के विषयों से संबंधित अनेक प्रकार के कर्म चिंतन का सामंजस्य पूर्ण व्यवस्था निरूपित करता है। परंतु वृश्चिक नवमांश के प्रभावानुरूप आपको आक्रामक एवं असंगत प्राणी हो ऐसा प्रतीत होता है। आपका जीवन आरामदेह एवं प्रचूर धन संपत्ति से युक्त सृदृढ़-स्वस्थ्य जीवन का आनंद प्राप्ति का प्रतीक बताता है। परंतु वृश्चिक राशीय प्रभाव के अनुसार यह संभाव्य है कि आप गरीबी जीवन में भी आ सकते हैं। अर्थात् आपका जीवन अभावग्रस्त एवं रोगगस्त भी हो सकता है। अतः आपको अपने जीवन में उन्नति किस प्रकार करेंगे यह आपके कार्य एवं विचार शैली पर निर्भर करता है।

आप धन सम्पत्ति का उपार्जन कर निश्चित रूप से उसे सुरक्षित रखेंगे क्योंकि आप एक विशाल हृदय के प्राणी हैं। आप बहुत अधिक दान कर सकते हैं क्योंकि आप इस दान धर्म के लिए समर्थ प्राणी हैं। आपको इस प्रकार के कार्य के ऊपर नियंत्रण रखेंगे। तब यह संभाव्य है कि आप में शीघ्रतापूर्वक आनन्द लूटने की प्रलोभन में फंसकर उसका चिंतन करेंगे। आपको शान्तिपूर्वक अनर्थकारी कार्यक्रम के प्रति विपरीत आचरण करना चाहिए। आप को जूआ-सट्टा आदि गलत कार्यों का त्याग करना चाहिए।

आपके स्वास्थ्य के संबंध में विचारणीय यह है कि आप यात्रा अधिक करते हैं। इस कारणवश आपका स्वास्थ्य विकृत हो जाने की आशंका है क्योंकि आप असामयिक अधिक भोजन करते हैं। इसके अतिरिक्त अन्य कोई उपाय नहीं है कि आप स्वास्थ्य एवं प्रसन्न रह सकें। अन्यथा आप रोगादि की संभावना में पड़कर सर्दी, जुकाम, कफ, जुकाम, गठिया, वायु, रक्तचाप रोग से सामना कर सकते हैं।

आपको अपने परिवार का भली प्रकार भरण-पोषण करने के लिए आपमें यह योग्यता आवश्यक रूप से होना नितांत आवश्यक है कि आप किस प्रकार धन प्राप्त करके अपने परिवार का भरण-पोषण करेंगे। आप बहुत बड़े विश्वासी है तथा सदैव आप विश्वसनीयता पूर्वक सत्याचरण करते हैं। तथा यह भी मानते हैं कि सत्य ही सब कुछ है। यह सन्देह है कि इन बातों का आप ध्यान नहीं रखते है कि इसका कोई प्रभाव अन्यों पर पड़ता है या नहीं। आप सदैव ईश्वर के प्रति श्रद्धावान होकर धार्मिक भावनाओं से युक्त होकर अनेक तीर्थ स्थानों का भ्रमण करेंगे तथा परोपकार हेतु दान प्रदान करेंगे।

आपके लिए कतिपय अच्छे कार्य व्यवसाय के प्रति अपनी अभिलाषा के अनुसार अपनी बुद्धि को अनुकूल कर सकते हैं। इनमें पुस्तक प्रकाशन, सम्पादन कार्य, शैक्षणिक

संस्थान के संचालन का कार्य व्यवसायों का चयन कर सकते हैं।

आप निम्नांकित संभाव्य नियम के आधार पर अनुकूल कार्य शैली का सृजन कर सकते हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल हैं। इसके अतिरिक्त अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, सूआ पंखी, नीला, हरा और नारंगी रंग आपके लिए अच्छा है। परंतु इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला एवं मोतिया रंग आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।